कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (79) खण्ड - {157}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.........

प्रश्न 1- बच्चों को अपनी उन्नति के लिए -

A- विचार सागर मंथन जरूर करना है

B- सवेरे-सवेरे उठ बाप की याद में सैर करनी है

C- मित्र-सम्बन्धी आदि को भूलना है

D- वर्ल्ड की हिस्ट्री-जॉग्राफी बुद्धि में रखनी है

प्रश्न 2- यहाँ तो घर-घर में एक- दो को दुःख ही देते हैं। क्यों -

A- दुःखधाम है

B- रावणराज्य है

C- विकारों के बशीभूत हैं

D- देह अभिमान है

प्रश्न 3- किस का मान ज्यादा है ?

A- लक्ष्मी-नारायण का

B- श्रीकृष्ण का

C- शिव शक्तियों का

D- पाण्डवों का

प्रश्न 4- सेवा की उन्नति का विशेष आधार है -

A- निर्माणता

B- हर आत्मा के प्रति शुभ भावना

C- स्व उन्नति

D- निमित्त भाव

प्रश्न 5- बाप समान बनना है -

A- ओबिडिएंट

B- सुखदाता

C- दाता, विधाता और वरदाता

D- निर्मान और निरहंकारी

प्रश्न 6- अपने ताज व तख्त का फोटो अपने पॉकेट में रख दो तो याद रहेगी। कौन सा फोटो बाबा बताते हैं -

A- श्रीकृष्ण

B- डबल सिरताज का

C- नर से नारायण का

D- विष्णु का

प्रश्न 7- अभी तुम्हें बेहद की पवित्रता को धारण करना है, बेहद की पवित्रता अर्थात्-

A- मन वचन कर्म की पवित्रता

B- सब के लिए आत्मिक दृष्टि

C- संपूर्ण निर्विकारी

D- एक बाप के सिवाए और कोई याद न आये

प्रश्न 8- स्वर्ग का पासपोर्ट उन्हीं बच्चों को मिलता है जो -

A- कर्मातीत अवस्था को पाते हैं

B- ब्राह्मण बनते हैं

C- जो स्वदर्शन चक्रधारी बनते हैं

D- बाप के पूरे मददगार बनते हैं

प्रश्न 9- अभी कोई भी नया सम्बन्ध नहीं जोड़ना है। अगर कोई भी सम्बन्ध जोड़ेंगे तो फिर उनको भूलना पड़ेगा।

समझो -

A- शादी करेंगे तो भी मुसीबत

B- बच्चा वा बच्ची पैदा हुए तो वह भी मुसीबत

C- मित्र सम्बन्धी जोडेंगे तो भी मुसीबत

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 10- कौन सा चित्र पॉकेट में डाल दो, परन्तु तुम घड़ी-घड़ी भूल जाते हो ?

A- त्रिमूर्ति का

B- लक्ष्मी नारायण

C- शिवबाबा का

D- गोले का

प्रश्न 11- देवताओं में कौन-सी ताकत है ?

A- पवित्रता की

B- सारे विश्व पर राज्य करने की

C- एक मत

D- योगबल की

प्रश्न 12- बच्चों को नयन मिले हैं, पहले नयन नहीं थे, कौन से नयन ?

A- बेहद के

B- ज्ञान के

C- रूहानी

D- दिव्य नयन

प्रश्न 13- यह हार जीत का खेल आधारित है

A- आत्मा की अवस्था पर

B- देह-अभिमान पर

C- माया पर

D- ड्रामा पर

प्रश्न 14- कौन सा भक्ति मार्ग का अक्षर है ?

A- याद

B- ज्ञान

C- योग

D- मन्सा सेवा

प्रश्न 15- विजय माला का दाना बनने के लिए -

A- कर्मातीत अवस्था को पाना है

B- माया पर जीत पानी है

C- बाप की याद से विकर्म विनाश करने है

D- जीते जी इस पुरानी दुनिया से मरना है

प्रश्न 16- सबसे मुख्य पार्ट धारी है -

A- श्री लक्ष्मीनारायण

B- ब्रह्मा

C- हम बच्चे

D- शिव बाबा

भाग (79) खण्ड {157} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *B.सवेरे-सवेरे उठ बाप की याद में सैर करो*

तुम्हारी युद्ध इस याद में है, जितना हो सके याद करना है। *बच्चों को अपनी उन्नति के लिए सवेरे-सवेरे उठ बाप की याद में सैर करनी है।* तुम छतों पर वा बाहर ठण्डी हवा में चले जाओ। यहाँ ही आकर बैठना कोई जरूरी नहीं है। बाहर भी जा सकते हो, सवेरे के टाइम कोई डर आदि की बात नहीं रहती है।

उत्तर 2- *A.दु:खधाम है*

उन्हों को यह भी पता नहीं है कि सुखधाम भी होता है। परमपिता परमात्मा ही आकर सबको सुखी-शान्त बना देते हैं। *यहाँ तो घर-घर में एक-दो को दु:ख ही देते हैं। क्योंकि दु:खधाम है।* सारे विश्व में दु:ख ही दु:ख है। अभी तुम बच्चे जानते हो बाप हमको 21 जन्मों के लिए सदा सुखी बनाते हैं।

उत्तर 3- *C.शिव शक्तियों का*

तुम्हारा मान शिव शक्तियों के रूप में है। तुम्हारे आगे लक्ष्मी-नारायण का तो कुछ भी मान नहीं। *शिव शक्तियों का ही नाम बाला है* क्योंकि जैसे बाप ने सर्विस की है, सबको पवित्र बनाकर सदा सुखी बनाया है, ऐसे तुम भी बाप के मददगार बने हो, इसलिए तुम शक्तियाँ भारत माताओं की महिमा है।

उत्तर 4- *C.स्व उन्नति*

स्व-उन्नति सेवा की उन्नति का विशेष आधार है। स्व-उन्नति कम है तो सेवा भी कम है। सिर्फ किसी को मुख से परिचय देना ही सेवा नहीं है लेकिन हर कर्म द्वारा श्रेष्ठ कर्म की प्रेरणा देना यह भी सेवा है। जो मन्सा-वाचा-कर्मणा सदा सेवा में तत्पर रहते हैं उन्हें सेवा द्वारा श्रेष्ठ भाग्य का अनुभव होता है।

उत्तर 5- *D.निर्मान और निरहंकारी*

सपूत बच्चा बन बाप पर कुर्बान जाना है, बाप की हर कामना पूरी करनी है। *जैसे बापदादा निर्मान और निरहंकारी है, ऐसे बाप समान बनना है।*

उत्तर 6- *C.नर से नारायण का*

अपने ताज व तख्त का फोटो अपने पॉकेट में रख दो तो याद रहेगी। इनसे हम यह बनते हैं। जितना देखेंगे उतना याद करेंगे। फिर उसमें ही मोह लग जायेगा। *हम यह बन रहे हैं - नर से नारायण, चित्र देखकर खुशी होगी।

* शिवबाबा याद आयेगा। यह सब पुरुषार्थ की युक्तियां हैं।

उत्तर 7- *D.एक बाप के सिवाए और कोई याद ना आये*

बाबा हमको बेहद का वर्सा देते हैं, बेहद पवित्र बनाए। पवित्रता में हद और बेहद है। तुम पुरुषार्थ करते हो बेहद पवित्र सतोप्रधान बनने के लिए। नम्बरवार तो होते ही हैं। अभी तुम्हें बेहद की पवित्रता को धारण करना है, *बेहद की पवित्रता अर्थात् एक बाप के सिवाए और कोई याद न आये*

उत्तर 8- *A.कर्मातीत अवस्था को पाते हैं*

बाप का वर्सा तो एक ही बार मिलता है, अब बाप कहते हैं मेरी याद में रहो तो तुम्हारे जन्म-जन्मान्तर के पाप मिट जाएं। *स्वर्ग का पासपोर्ट उन्हीं बच्चों को मिलता है

जो याद में रह अपने विकर्मों को विनाश कर कर्मातीत अवस्था को पाते हैं।*

उत्तर 9- *B.बच्चा या बच्ची पैदा हुए तो वह भी मुसीबत*

बाप सम्मुख कहते हैं - मीठे बच्चों, तुम्हारे जो भी देह के सम्बन्ध है, सब भूल जाओ। अभी कोई भी नया सम्बन्ध नहीं जोड़ना है। अगर कोई भी सम्बन्ध जोड़ेंगे तो फिर उनको भूलना पड़ेगा। *समझो बच्चा वा बच्ची पैदा हुए तो वह भी मुसीबत हुई।* एक्स्ट्रा याद बढ़ी ना। बाप कहते हैं सबको भूल एक को ही याद करना है।

उत्तर 10- *A.त्रिमूर्ति का*

देह का अभिमान होगा तो याद कैसे रह सकेगी! पापों का बोझा सिर पर बहुत है इसलिए बाबा कहते हैं याद में रहो। *त्रिमूर्ति का चित्र पॉकेट में डाल दो,* परन्तु

तुम घड़ी-घड़ी भूल जाते हो। अल्फ को याद करने से बे आदि सब याद आ जाता है। बैज़ तो सदा लगा रहे।

उत्तर 11- *B.सारे विश्व पर राज्य करने की*

देवताओं में सारे विश्व पर राज्य करने की ताकत है, वह ताकत विशेष एक मत की विशेषता के कारण है। वहाँ एक मत होने के कारण वजीर आदि रखने की दरकार नहीं। देवताओं ने संगम पर बाप से ऐसी श्रीमत ली हुई है जो 21 जन्म राज्य करते हैं।

उत्तर 12- *B.ज्ञान के*

बच्चों को नयन मिले हैं, *पहले नयन नहीं थे, कौन से नयन? ज्ञान के नयन नहीं थे।* अज्ञान के नयन तो थे। बच्चे जानते हैं ज्ञान सागर एक ही बाप है। और कोई में यह रूहानी ज्ञान है नहीं, जिस ज्ञान से सद्गति हो अर्थात् शान्तिधाम-सुखधाम जाना हो।

उत्तर 13- *C.माया*

यहाँ तुम सब बच्चों की बुद्धि में है हम एक्टर्स हैं, यह हार और जीत का खेल है। *यह हार-जीत का खेल माया पर आधारित है।* माया से हारे हार है और माया से जीते जीत। यह गाते तो सब हैं परन्तु बुद्धि में ज्ञान ज़रा भी नहीं है। तुम जानते हो माया क्या चीज़ है, यह तो रावण है, जिसको ही माया कहा जाता है।

उत्तर 14- *C.योग*

बाप कहते हैं मुझे याद करो फिर भी भूल जाते हैं। कहते हैं - बाबा योग टूट जाता है। बाबा ने कहा है योग अक्षर निकाल दो। वह तो शास्त्रों का अक्षर है। बाप कहते हैं - मुझे याद करो। *योग भक्ति मार्ग का अक्षर है।*

उत्तर 15- *D.जीते जी इस पुरानी दुनिया से मरना है*

बाप से बादशाही मिलती है स्वर्ग की, उनको तुम याद नहीं करेंगे तो विकर्म विनाश कैसे होंगे। राजाई कैसे

मिलेगी। याद नहीं करेंगे तो पद भी कम हो पड़ेगा, सज़ा भी खायेंगे। *विजय माला का दाना बनने के लिए जीते जी इस पुरानी दुनिया से मरना है।* बाप की याद से विकर्म विनाश करने है।

उत्तर 16- *D.शिवबाबा*

परमपिता परमात्मा कैसे पार्ट बजाते हैं, यह भी तुम जान गये हो। *सबसे मुख्य पार्टधारी वह है, करन-करावनहार है ना।* तुम मीठे-मीठे बच्चों को यह अभी समझ में आया है कि हम आत्मायें शान्तिधाम से आती हैं। आत्मायें कोई नई थोड़ेही निकलती हैं, जो शरीर में प्रवेश करती हैं।

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (79) खण्ड - {158}

प्रश्न 1- .... का उमंग छोटी छोटी बीमारियों को मर्ज कर देता है ?

A- बाबा से मिलन

B- सेवाओं

C- बाबा से प्राप्तियों

D- उपर्युक्त सभी

प्रश्न 2- देवता बनने वाले बच्चों में......का अंश भी नहीं होगा ?

A- काम

B- मोह

C- क्रोध

D- अहंकार

प्रश्न 3- तुम्हें अब ज्ञान का तीसरा नेत्र मिला है, इसलिए -

A- हर कर्म त्रिकालदर्शी स्थिति में स्थित हो करो।

B- नष्टेमोहा बनो।

C- पुरानी दुनिया से बेहद का वैराग्य हो।

D- अब तुम्हारी आंख किसी में भी डूबनी नहीं चाहिए।

प्रश्न 4- श्याम और सुन्दर किस को कहेंगे ?

A- श्रीकृष्ण को

B- देवी-देवता धर्म की आत्माओं को

C- सभी भारत वासियों को

D- A और B

E- A, B और C

प्रश्न 5- अभी की कौन सी प्रैक्टिस 21 जन्म तक रहेगी ?

A- आत्म अभिमानी रहने की

B- मरजीवा बनने की

C- सदा तन मन से तंदुरुस्त रहने की

D- संपूर्ण पावन बनने की

प्रश्न 6- रावण है -

A- नामी ग्रामी है

B- दुश्मन है

C- विकारों को कहा जाता है

D- B और C

E- A, B और C

प्रश्न 7- क्या कहकर अलबेला पन नहीं लाओ ?

A- सहजयोगी

B- ड्रामा

C- मेरा संस्कार है

D- कर लेंगे

प्रश्न 8- हर एक समझते हैं -

A- हम पतित से पावन बन रहे हैं

B- देवी देवता बन रहे हैं

C- कांटे से फूल बन रहे हैं

D- श्याम से सुन्दर बन रहे हैं

प्रश्न 9- हमको फूल बनना है तो ..... के हाथ का खाना है।

A- ब्राह्मण

B- पवित्र

C- स्वयं

D- योगी आत्मा

प्रश्न 10- बाप जिसको रचता कहा जाता है, वह किसका रचता है ?

A- नई दुनिया का

B- सृष्टि का

C- आत्माओं का

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 11- कौन दोनों इकट्ठे चल न सकें ?

A- राम और रावण

B- ज्ञान और भक्ति

C- शूद्र और ब्राह्मण

D- हंस और बगुले

प्रश्न 12- बच्चे फिर कहते हैं कि भगवान आप जब आयेंगे तो हम आप पर वारी जायेंगे अर्थात् -

A- समर्पण होंगे

B- तन मन धन से बलिहार

C- बच्चा बनायेंगे

D- सर्व संबंध एक आप से ही रखेंगे

प्रश्न 13- देखो श्रीकृष्ण जयन्ती मनाते हैं, समझते हैं कि श्रीकृष्ण वैकुण्ठ का मालिक था, परन्तु .... था यह बुद्धि में नहीं आता।

A- वैकुण्ठ कब था

B- राज कुमार

C- सर्व गुण संपन्न

D- विश्व का मालिक

प्रश्न 14- इस समय स्थूल धन भी ईश्वर अर्थ समर्पण करने से एक नया पैसा-

A- लाख गुना बन जाता है।

B- एक रत्न समान वैल्यु का हो जाता है।

C- पद्मगुणा बन जाता है।

D- सौगुणा मिलता है।

प्रश्न 15- जगन्नाथ (जगत नाथ) किस का मंदिर है ?

A- शिवबाबा

B- श्रीकृष्ण का

C- विष्णु का

D- लक्ष्मीनारायण का

प्रश्न 16- किस के बुद्धि में तो ज्ञान की सब बातें बैठ जाती हैं ?

A- जिनकी बुद्धि स्वच्छ होती जाती है

B- जो पुराने भक्त हैं, जिन्होंने बहुत भक्ति की हुई है

C- 7 दिन का कोर्स जिसने किया है

D- कोटों में कोई के

भाग (79) खण्ड {158} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *B.सेवाओं*

स्लोगन:- *सेवाओं का उमंग छोटी-छोटी बीमारियों को मर्ज कर देता है।*

उत्तर 2- *C.क्रोध*

हम मनुष्य से देवता बन रहे हैं। मनुष्य से देवता बनने वाले बच्चों में दैवीगुण दिखाई देंगे। *उनमें क्रोध का अंश भी नहीं होगा ।* अगर कभी क्रोध आ गया तो झट बाप को लिखेंगे, बाबा आज हमसे यह भूल हो गई। हमने क्रोध कर लिया, विकर्म कर लिया।

उत्तर 3- *D.अब तुम्हारी आंख किसी में भी डूबनी नहीं चाहिए*

मीठे बच्चे - *तुम्हें अब ज्ञान का तीसरा नेत्र मिला है, इसलिए अब तुम्हारी आंख किसी में भी डूबनी नहीं चाहिए।* तुम्हारी बुद्धि में यह बेहद का ज्ञान ही रहना चाहिए।

उत्तर 4- *D. A और B*

बाप ने श्याम और सुन्दर का भी राज़ समझाया है। *तुम भी समझते हो अभी हम सुन्दर बन रहे हैं। पहले श्याम थे। श्रीकृष्ण कोई अकेला थोड़ेही था। सारी

राजधानी थी ना।* अभी तुम समझते हो हम नर्कवासी से स्वर्गवासी बन रहे हैं।

उत्तर 5- *C.सदा तन मन से तंदुरुस्त रहने की*

सदा तन-मन से तन्दुरूस्त रहने की प्रैक्टिस तुम यहाँ से ही करते हो। तुम्हें दधीचि ऋषि मिसल यज्ञ सेवा में हड्डियां भी देनी हैं लेकिन हठयोग की बात नहीं है। अपना शरीर कमजोर नहीं करना है। *तुम योग से 21 जन्मों के लिए तन्दुरूस्त बनते हो, उसकी प्रैक्टिस यहाँ से करते हो।*

उत्तर 6- *E. A, B और C*

शिवबाबा को कहा जाता है - सद्गति दाता। रावण को सद्गति दाता थोड़ेही कहेंगे। अगर होता तो उनको जलाते क्यों? *बच्चे समझते हैं रावण तो नामीग्रामी है। भल ताकत रावण में बहुत है, परन्तु दुश्मन तो है ना।* आधाकल्प रावण का राज्य चलता है। परन्तु कब महिमा

सुनी है? कुछ भी नहीं। *तुम जानते हो रावण 5 विकारों को कहा जाता है।*

उत्तर 7- *A.सहजयोगी*

स्लोगन:- *सहजयोगी कहकर अलबेलापन नहीं लाओ, शक्ति रूप बनो।*

उत्तर 8- *C.कांटे से फूल बन रहे हैं*

तुम बच्चे प्रैक्टिकल में जानते हो कैसे कांटों से फूलों का सैपलिंग लगता है। तुम्हारे में भी बहुत थोड़े हैं जो इन बातों का चिंतन करते हैं। यह भी तुम बच्चे जानते हो - वह बागवान भी है, खिवैया भी है, सबको ले जाते हैं। फूलों को देख बाप भी खुश होते हैं। *हर एक समझते हैं हम कांटों से फूल बन रहे हैं।*

उत्तर 9- *B.पवित्र*

हमको फूल बनना है तो पवित्र के हाथ का खाना है। उसके लिए अपना प्रबन्ध करना है, इसमें पूछना थोड़ेही होता है। बाप समझाते हैं तुम देवता बनते हो, इसमें यह परहेज चाहिए। जितनी जास्ती परहेज रखेंगे उतना तुम्हारा कल्याण होगा। जास्ती परहेज रखने में कुछ मेहनत भी होगी।

उत्तर 10- *A.नई दुनिया का*

बाप जिसको रचता कहा जाता है, किसका रचता? नई दुनिया का रचता। नई दुनिया को कहा जाता है स्वर्ग वा सुखधाम, नाम कहते हैं परन्तु समझते नहीं हैं। श्रीकृष्ण के मन्दिर को भी सुखधाम कहते हैं। अब वह तो हो गया छोटा मन्दिर। श्रीकृष्ण तो विश्व का मालिक था।

उत्तर 11- *B.ज्ञान और भक्ति*

जप तप करना, शास्त्र आदि पढ़ना यह सब भक्ति है। अब भक्तों को भक्ति का फल चाहिए क्योंकि मेहनत

करते ही हैं भगवान से मिलने के लिए। परन्तु ज्ञान से है सद्गति। *ज्ञान और भक्ति दोनों इकट्ठे चल न सकें।* अभी है ही भक्ति का राज्य।

उत्तर 12- *C.बच्चा बनायेंगे*

बाबा को कहते हैं बाबा हमने आपको अपना वारिस बनाया है। बाप बच्चों पर वारी जाते हैं। बच्चे *फिर कहते हैं कि भगवान आप जब आयेंगे तो हम आप पर वारी जायेंगे अर्थात् बच्चा बनायेंगे।* यह भी अपने बच्चों को ही वारिस बनाते हैं। बाबा को वारिस कैसे बनायेंगे। यह भी गुह्य बात है।

उत्तर 13- *D.विश्व का मालिक*

गायन भी है कि भगवान ने आकर स्वर्ग की स्थापना की थी, राजयोग सिखाया था। देखो श्रीकृष्ण जयन्ती मनाते हैं, समझते हैं कि श्रीकृष्ण वैकुण्ठ का मालिक था, *परन्तु वह विश्व का मालिक था - यह बुद्धि में नहीं आता।

* जब उनका राज्य था तो और कोई धर्म नहीं था। उनका ही सारे विश्व पर राज्य था और जमुना के किनारे था।

उत्तर 14- *B.एक रत्न समान वैल्यु का हो जाता है*

हर सेकण्ड पदमों की कमाई जमा करने का वरदान ड्रामा में संगम के समय को मिला हुआ है। ऐसे वरदान को स्वयं प्रति जमा करो और औरों के प्रति दान करो, ऐसे ही संकल्प के खजान को, ज्ञान के खजाने को, स्थूल धन रूपी खजाने को कार्य में लगाकर पदमों की कमाई जमा करो क्योंकि *इस समय स्थूल धन भी ईश्वर अर्थ समर्पण करने से एक नया पैसा एक रत्न समान वैल्यु का हो जाता है ।*

उत्तर 15- *D.लक्ष्मी-नारायण का*

श्रीनाथ को भी काला, जगन्नाथ को भी काला कर देते हैं। कारण तो कुछ भी नहीं समझते। *जगत-नाथ लक्ष्मी नारायण को ही कहते हैं* या राधे-कृष्ण को

कहेंगे? राधे-कृष्ण, लक्ष्मी-नारायण का संबंध क्या है, यह भी कोई नहीं जानते हैं।

उत्तर 16- *B.जो पुराने भक्त हैं, जिन्होंने बहुत भक्ति की हुई है*

7 दिन का कोर्स करने के बाद भी पूरा कुछ समझते नहीं हैं कि यह हमारा बेहद का बाप है। *जो पुराने भक्त हैं, जिन्होंने बहुत भक्ति की हुई है उनकी बुद्धि में तो ज्ञान की सब बातें बैठ जाती हैं।* भक्ति कम की होगी तो बुद्धि में कम बैठेगा। तुम हो सबसे जास्ती पुराने भक्त।